गांधीनगर अभयारण्य में लाए जाएंगे चीते

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **मंदसौर ज़िले** के **गांधी नगर अभयारण्य में जल्द ही चीते लाए जाने की घोषणा** की।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर यह घोषणा की।
- 26 जनवरी, 2022 को **भारत और दक्षिण अफ्रीका ने** चीतों के पुनर्वास की सुविधा के लिये एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।**
  - यह समझौता ज्ञापन (MoU) **भारत में चीता की सुरक्षित संख्या** स्थापित करने की भारत की प्राथमिकता सुनिश्चित करता है।
  - इस प्रयास से **महत्त्वपूर्ण एवं व्यापक संरक्षण** की उम्मीद है।
  - इसका प्राथमिक लक्ष्य भारत के पर्यावास के भीतर **चीता की व्यवहार्य भूमिका को पुनः स्थापित करना** और स्थानीय समुदायों की आजीविका तथा आर्थिक स्थिति में सुधार करना।

गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य

- **अवस्थिति**
  - वर्ष 1974 में अधिसूचित, यह अभयारण्य पश्चिमी मध्य प्रदेश के **मंदसौर और नीमच** ज़िलों में विस्तृत है, जो राजस्थान की सीमा से लगता है।
  - **चंबल नदी**, अभयारण्य को लगभग दो समान भागों में विभाजित करती है, जिसमें गांधी सागर बाँध अभयारण्य के भीतर स्थित है।
- **पारिस्थितिकी तंत्र**
  - इसके पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषता इसके **पर्वतीय क्षेत्रों** के साथ-साथ **उथली मृदा** है, जो **सवाना पारिस्थितिकी तंत्र** को संदर्भित करती है।
  - इसमें **शुष्क पर्णपाती वृक्षों** एवं झाड़ियों से घिरे **खुले घास स्थल** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अभयारण्य के भीतर नदी घाटियाँ सदानीरा हैं।
- **चीतों के लिये आदर्श पर्यावास**
  - **केन्या** के सुप्रसिद्ध **मसाई मारा** राष्ट्रीय अभयारण्य से समानता के कारण, जो अपने सवाना वन एवं वन्यजीवन की विविधता के लिये विख्यात है, यह अभयारण्य चीतों के लिये एक उपयुक्त पर्यावास है।

दृष्टि The Vision

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cheetahs-in-gandhinagar-sanctuary